Series JMS/1

SET-1

कोड नं.
Code No. **3/1/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम अ)
(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80
Maximum marks : 80

सामान्य निर्देश:

(i) इस प्रश्न-पत्र में **चार** खंड हैं – **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 8

आजकल दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक देखने का प्रचलन बढ़ गया है। बाल्यावस्था में यह शौक हानिकारक है। दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। छोटे बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं। समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि समाज में चारों ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र भी हैं। दूरदर्शन से आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता, अकेलापन आदि दोष बढ़े हैं। बिना समय की पाबंदी के घंटों दूरदर्शन के साथ चिपके रहना बिलकुल गलत है। इससे मानसिक विकास रुक जाता है, नज़र कमजोर हो सकती है और तनाव बढ़ सकता है।

(क) आजकल दूरदर्शन के धारावाहिकों का स्तर कैसा है? 2

(ख) दूरदर्शन का दुष्प्रभाव किन पर अधिक पड़ता है और क्यों? 2

(ग) दूरदर्शन के क्या-क्या दुष्प्रभाव हैं? 2

(घ) 'बाल्यावस्था' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए। 1

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 7

कोलाहल हो
या सन्नाटा कविता सदा सृजन करती है
जब भी आँसू हुआ पराजित,
कविता सदा जंग लड़ती है
जब भी कर्ता हुआ अकर्ता
कविता ने जीना सिखलाया
यात्राएँ जब मौन हो गईं
कविता ने चलना सिखलाया
जब भी तम का जुल्म बढ़ा है,
कविता नया सूर्य गढ़ती है,
जब गीतों की फसलें लुटतीं
शीलहरण होता कलियों का,
शब्दहीन जब हुई चेतना

तब-तब चैन लुटा गलियों का
अपने भी हो गए पराए
यों झूठे अनुबंध हो गए
घर में ही वनवास हो रहा
यों गूंगे संबंध हो गए।

(क) कविता कैसी परिस्थितियों में सृजन करती है? स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) भाव समझाइए 'जब भी तम का जुल्म बढ़ा है, कविता नया सूर्य गढ़ती है।' 2

(ग) गलियों का चैन कब लुटता है? 1

(घ) 'परस्पर संबंधों में दूरियाँ बढ़ने लगीं' – यह भाव किस पंक्ति में आया है? 1

(ङ) कविता जीना कब सिखाती है? 1

अथवा

जो बीत गई सो बात गई।
जीवन में एक सितारा था,
माना, वह बेहद प्यारा था,
वह डूब गया तो डूब गया।
अंबर के आनन को देखो,
कितने इसके तारे टूटे,
कितने इसके प्यारे छूटे,
जो छूट गए फिर कहाँ मिले;
पर बोलो टूटे तारों पर,
कब अंबर शोक मनाता है?
जो बीत गई सो बात गई।
जीवन में वह था एक कुसुम,
थे उस पर नित्य निछावर तुम,
वह सूख गया तो सूख गया;
मधुबन की छाती को देखो,
सूखी कितनी इसकी कलियाँ,
मुरझाई कितनी वल्लरियाँ,
जो मुरझाई फिर कहाँ खिलीं,
पर बोलो सूखे फूलों पर,
कब मधुबन शोर मचाता है?
जो बीत गई सो बात गई।

(क) 'जो बीत गई सो बात गई' से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) आकाश की ओर कब देखना चाहिए और क्यों? 2

(ग) 'सूखे फूल' और 'मधुबन' के प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए। 1

(घ) टूटे तारों का शोक कौन नहीं मनाता है? 1

(ङ) आपके विचार से 'जीवन में एक सितारा' किसे माना होगा? 1

खंड 'ख'

3. निर्देशानुसार किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए – $1 \times 3 = 3$

(क) मैंने उस व्यक्ति को देखा जो पीड़ा से कराह रहा था। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) जो व्यक्ति परिश्रमी होता है, वह अवश्य सफल होता है। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) वह कौन-सी पुस्तक है जो आपको बहुत पसंद है। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(घ) कश्मीरी गेट के निकल्सन कब्रगाह में उनका ताबूत उतारा गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **चार** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए – $1 \times 4 = 4$

(क) बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गाते थे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) बीमारी के कारण वह यहाँ न आ सका। (भाववाच्य में बदलिए)

(ग) माँ के द्वारा बचपन में ही घोषित कर दिया गया था। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) अवनि चाय बना रही है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) घायल हंस उड़ न पाया। (भाववाच्य में बदलिए)

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **चार** रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए– $1 \times 4 = 4$

(क) दादी जी प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ती हैं।

(ख) रोहन यहाँ नहीं आया था।

(ग) वे मुंबई जा चुके हैं।

(घ) परिश्रमी अंकिता अपना काम समय से पूरा कर लेती है।

(ङ) रवि रोज सवेरे दौड़ता है।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $1 \times 4 = 4$

(क) 'करुण रस' का एक उदाहरण लिखिए।

(ख) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में निहित रस पहचान कर लिखिए –
तंबूरा ले मंच पर बैठे प्रेमप्रताप,
साज मिले पंद्रह मिनट, घंटा भर आलाप।
घंटा भर आलाप, राग में मारा गोता,
धीरे-धीरे खिसक चुके थे सारे श्रोता।

(ग) 'उत्साह' किस रस का स्थायी भाव है?

(घ) 'वात्सल्य' रस का स्थायी भाव क्या है?

(ङ) 'श्रृंगार' रस के कौन से दो भेद हैं?

खंड 'ग'

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 5

किसी दिन एक शिष्या ने डरते-डरते खाँ साहब को टोका, "बाबा ! आप यह क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी। अब तो आपको भारतरत्न भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें। अच्छा नहीं लगता, जब भी कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं।" खाँ साहब मुसकराए। लाड़ से भरकर बोले, "धत्! पगली, ई भारतरत्न हमको शहनईया पे मिला है, लुंगिया पे नाहीं। तुम लोगों की तरह बनाव-सिंगार देखते रहते, तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई। तब क्या रियाज़ हो पाता?"

(क) एक दिन एक शिष्या ने खाँ साहब को क्या कहा? क्यों? 2

(ख) खाँ साहब ने शिष्या को क्या समझाया? 2

(ग) इससे खाँ साहब के स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है? 1

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए – 2×4=8

(क) लेखक ने फादर कामिल बुल्के की याद को 'यज्ञ की पवित्र अग्नि' क्यों कहा है?

(ख) मन्नू भंडारी का अपने पिता से जो वैचारिक मतभेद था उसे अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना क्या प्रदर्शित करता है?

(घ) बालगोबिन भगत अपने सुस्त और बोदे से बेटे के साथ कैसा व्यवहार करते थे और क्यों?

(ङ) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 5

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन –
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

(क) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' – इस पंक्ति से कवि किस तथ्य से अवगत करवाना चाहता है? 2

(ख) कवि ने यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है? 2

(ग) 'मृगतृष्णा' का प्रतीकात्मक अर्थ लिखिए। 1

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए- 2×4=8

(क) संगतकार की मनुष्यता किसे कहा गया है। वह मनुष्यता कैसे बनाए रखता है?

(ख) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर वसंत ऋतु की शोभा का वर्णन कीजिए।

(ग) परशुराम ने अपनी किन विशेषताओं के उल्लेख के द्वारा लक्ष्मण को डराने का प्रयास किया?

(घ) आपकी दृष्टि में कन्या के साथ दान की बात करना कहाँ तक उचित है? तर्क दीजिए।

(ङ) कवि ने शिशु की मुस्कान को दंतुरित मुस्कान क्यों कहा है? कवि के मन पर उस मुस्कान का क्या प्रभाव पड़ा?

11. 'जार्ज पंचम की नाक' पाठ के माध्यम से लेखक ने समाज पर क्या व्यंग्य किया है? 4

अथवा

सिक्किम की युवती के कथन 'मैं इंडियन हूँ' से स्पष्ट होता है कि अपनी जाति, धर्म-क्षेत्र और संप्रदाय से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्र है। आप किस प्रकार राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य निभाकर देश के प्रति अपना प्रेम प्रकट कर सकते हैं? समझाइए।

खंड 'घ'

12. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए– 10

(क) कमरतोड़ महँगाई
- महँगाई के कारण
- समाज पर प्रभाव
- व्यावहारिक समाधान

(ख) स्वच्छ भारत अभियान
- विकास में स्वच्छता का योगदान
- अस्वच्छता से हानियाँ
- रोकने के उपाय

(ग) बदलती जीवन शैली
- जीवन शैली का आशय
- बदलाव कैसा
- परिणाम

13. गत कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में अपराध बढ़ने लगे हैं जिससे आप चिंतित हैं। इन अपराधों की रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपका एक मित्र शिमला में रहता है। आप उसके आमंत्रण पर ग्रीष्मावकाश में वहाँ गए थे और प्राकृतिक सौंदर्य का खूब आनंद उठाया था। घर वापस लौटने पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

14. अतिवृष्टि के कारण कुछ शहर बाढ़ ग्रस्त हैं। वहाँ के निवासियों की सहायतार्थ सामग्री एकत्र करने हेतु एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अथवा

बॉल पेनों की एक कंपनी 'सफल' नाम से बाज़ार में आई है। उसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

SET-1

Series JMS/2

कोड नं.
Code No. **3/2/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में* ***चार*** *खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

दार्शनिक अरस्तू ने कहा है – "प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए ।" वास्तव में प्रत्येक प्राणी का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता । अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे । इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं । किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती । समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं । जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है । समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं । समय निरंतर गतिमान है । इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए । साथ ही समयानुसार काम भी करना चाहिए । सफल जीवन की यही कुंजी है ।

(क) जीवन के अमूल्य क्षणों को किस प्रकार के व्यक्ति खो देते हैं ? *2*

(ख) भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान क्यों कहा गया है ? *2*

(ग) दार्शनिक अरस्तू के कथन का आशय लिखिए । *2*

(घ) लक्ष्मी किसे प्राप्त होती है ? *1*

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बहुत घुटन है बंद घरों में, खुली हवा तो आने दो,
संशय की खिड़कियाँ खोल, किरनों को मुस्काने दो ।

ऊँचे-ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं,
चमक-दमक, आपा-धापी है, पर जीवन का नाम नहीं
लौट न जाए सूर्य द्वार से, नया संदेशा लाने दो ।

हर माँ अपना राम जोहती, कटता क्यों वनवास नहीं
मेहनत की सीता भी भूखी, रुकता क्यों उपवास नहीं ।
बाबा की सूनी आँखों में चुभता तिमिर भागने दो ।

हर उदास राखी गुहारती, भाई का वह प्यार कहाँ ?
डरे-डरे रिश्ते भी कहते, अपनों का संसार कहाँ ?
गुमसुम गलियों को मिलने दो, ख़ुशबू तो बिखराने दो ।

(क) 'ऊँचे-ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । 2

(ख) सूर्य द्वार से ही क्यों लौट जाएगा ? 2

(ग) आज रिश्तों के डरे-डरे होने का कारण आप क्या मानते हैं ? 1

(घ) 'तिमिर' शब्द का अर्थ लिखिए । 1

(ङ) कवि ने क्या संदेश दिया है ? 1

अथवा

मेरा माँझी मुझसे कहता रहता था
बिना बात तुम नहीं किसी से टकराना ।
पर जो बार-बार बाधा बन के आएँ,
उनके सिर को वहीं कुचल कर बढ़ जाना ।
जानबूझ कर जो मेरे पथ में आती हैं,
भवसागर की चलती-फिरती चट्टानें ।
मैं इनसे जितना ही बचकर चलता हूँ,
उतनी ही मिलती हैं, ये ग्रीवा ताने ।
रख अपनी पतवार, कुदाली को लेकर
तब मैं इनका उन्नत भाल झुकाता हूँ ।
राह बनाकर नाव चढ़ाए जाता हूँ,
जीवन की नैया का चतुर खिवैया मैं
भवसागर में नाव बढ़ाए जाता हूँ ।

(क) राह में आने वाली बाधाओं के साथ कवि कैसा व्यवहार करता है ? 2

(ख) कवि ने हमें क्या प्रेरणा दी है ? स्पष्ट कीजिए । 2

(ग) कवि ने अपना माँझी किसे कहा है ? 1

(घ) 'उन्नत भाल' का क्या आशय है ? 1

(ङ) 'जीवन की नैया का चतुर खिवैया' किसे कहा गया है ? 1

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×3=3*

(क) मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु के साथ ही फ़ादर के शब्दों से झरती शांति भी याद आ रही है । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) रात हुई और आकाश में तारों के असंख्य दीप जल उठे । (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) माँ ने कहा कि शाम को जल्दी घर आ जाना । (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(घ) पान वाले के लिए यह मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए : *1×4=4*

(क) हालदार साहब ने पान खाया । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) दादा जी प्रतिदिन पार्क में टहलते हैं । (भाववाच्य में बदलिए)

(ग) गांधी जी द्वारा विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया गया । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) पान कहीं आगे खा लेंगे । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) खिलाड़ी दौड़ नहीं सका । (भाववाच्य में बदलिए)

5. निम्नलिखित वाक्यों में से ***किन्हीं चार*** रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

(क) सुरभि विद्यालय से अभी-अभी आई है ।

(ख) उसने मेरी बातें ध्यानपूर्वक सुनी ।

(ग) शाबाश ! तुमने बहुत अच्छा काम किया ।

(घ) वहाँ दस छात्र बैठे हैं ।

(ङ) परिश्रम के बिना सफलता नहीं मिलती ।

6. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) 'भयानक रस' का एक उदाहरण लिखिए ।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए :

तनकर भाला यूँ बोल उठा
राणा ! मुझको विश्राम न दे ।
मुझको वैरी से हृदय-क्षोभ
तू तनिक मुझे आराम न दे ।

(ग) 'जुगुप्सा' किस रस का स्थायी भाव है ?

(घ) 'शांत' रस का स्थायी भाव क्या है ?

(ङ) किस रस को 'रसराज' भी कहा जाता है ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ । धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें । पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज़ समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे । उन्होंने ज़िंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं... केवल दिया ही दिया । हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता ।

(क) माँ की उपमा धरती से क्यों की गई है ? *2*

(ख) लेखिका को माँ का कौन-सा रूप अच्छा नहीं लगता था ? क्यों ? *2*

(ग) लेखिका और उसके भाई-बहिनों की सहानुभूति किसके साथ थी ? *1*

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) मन्नू भंडारी और उनके पिता के बीच मतभेद के दो कारण लिखिए ।

(ग) कैप्टन कौन था ? वह मूर्ति के चश्मे को बार-बार क्यों बदल दिया करता था ?

(घ) फ़ादर बुल्के को हिन्दी के बारे में क्या चिंता थी ?

(ङ) खीरा काटने में नवाब साहब की विशेषज्ञता का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए ।

9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

लखन कहा हँसि हमरे जाना । सुनहु देव सब धनुष समाना ।।
का छति लाभु जून धनु तोरें । देखा राम नयन के भोरें ।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।।
बोले चितै परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही । केवल मुनि जड़ जानहि मोहि ।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही । बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही ।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही । बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही ।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा ।।

(क) परशुराम के क्रुद्ध होने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए ? *2*

(ख) प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर लिखिए कि परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा । *2*

(ग) परशुराम के बारे में कौन-सी बात विश्व प्रसिद्ध थी ? *1*

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) 'सूरदास' के पद के आधार पर लिखिए कि गोपियों ने किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं ।

(ख) 'उत्साह' कविता में कवि बादल को गरजने के लिए क्यों कहता है ? बादल से कवि की अन्य अपेक्षाएँ क्या हैं ?

(ग) 'छाया मत छूना' कविता में 'छाया' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में हुआ है ? स्पष्ट करते हुए बताइए कि कविता क्या संदेश देती है ।

(घ) 'फ़सल' कविता में 'हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) 'संगतकार' किन-किन रूपों में मुख्य गायक की सहायता करता है ? कविता के आधार पर उसकी विशेष भूमिका को भी स्पष्ट कीजिए ।

11. 'माता का अंचल' नामक पाठ में लेखक ने तत्कालीन समाज के पारिवारिक परिवेश का जो चित्रण किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए । *4*

अथवा

जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता यहाँ तक की भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करता है ? आप इस बारे में क्या सोचते हैं ?

खण्ड घ

12. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा
- जीवन शैली
- कामकाजी महिलाओं की समस्या
- सुरक्षा में कमियों के कारण व सुझाव

(ख) मित्र की परख संकट में
- भले दिनों के मित्र
- बुरे दिनों के मित्र
- मित्र की परख

(ग) मेरी कल्पना का विद्यालय
- विद्यालय में क्या है अनावश्यक
- क्या-क्या है आवश्यक
- विद्यालय और परिवेश

13. आपके क्षेत्र में डेंगू फैल रहा है । स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर उपयुक्त चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए । *5*

अथवा

अपने प्रिय मित्र को पत्र लिखकर धन्यवाद दीजिए कि आड़े वक्त में उसने किस तरह आपका साथ दिया था ।

14. आपके शहर में एक नया वाटर पार्क खुला है, जिसमें पानी के खेल, रोमांचक झूलों, मनोरंजक खेलों और खान-पान की व्यवस्था है । इसके लिए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए । *5*

अथवा

आपके पिताजी अपनी पुरानी कार बेचना चाहते हैं । इसके लिए पूरा विवरण देते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए ।

SET-1

Series JMS/3

कोड नं.
Code No. **3/3/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने से परहेज करता है । श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलंत उदाहरण है, हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी । युवा यह नहीं सोचता है कि शारीरिक श्रम परिणामत: कितना सुखदायी होता है । पसीने से सिंचित वृक्ष में लगने वाला फल हमेशा मधुर होता है । महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह परामर्श दिया था कि तुम सदा अपने पसीने की कमाई खाना । पसीना टपकाने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता है । हमारे समाज में शारीरिक श्रम न करना सामान्यत: उच्च सामाजिक स्तर की पहचान मानी जाती है । यही कारण है कि जैसे-जैसे आर्थिक स्थिति में सुधार होता जाता है, वैसे-वैसे बीमारों और बीमारियों की संख्या में वृद्धि होती जाती है । जिस समाज में शारीरिक श्रम के प्रति हेय दृष्टि नहीं होती है, वह समाज अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ एवं सुखी दिखाई देता है । विकसित देशों के निवासी शारीरिक श्रम को जीवन का आवश्यक अंग समझते हैं ।

(क) शिक्षित युवा वर्ग की बेकारी के क्या-क्या कारण हो सकते हैं ? *2*

(ख) 'पसीने की कमाई' का क्या अर्थ है ? *2*

(ग) स्वस्थ समाज की क्या पहचान बताई गई है ? इसका क्या परिणाम होता है ? *2*

(घ) 'सिंचित' और 'आर्थिक' शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए । *1*

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मैं तो मात्र मृत्तिका हूँ –
जब तुम
मुझे पैरों से रौंदते हो
तथा हल के फाल से विदीर्ण करते हो
तब मैं –
धन-धान्य बनकर मातृरूपा हो जाती हूँ ।
जब तुम
मुझे हाथों से स्पर्श करते हो
तथा चाक पर चढ़ाकर घुमाने लगते हो
तब मैं –

कुंभ और कलश बनकर
जल लाती तुम्हारी अंतरंग प्रिया हो जाती हूँ ।
जब तुम मुझे मेले में मेरे खिलौने रूप पर
आकर्षित होकर मचलने लगते हो
तब मैं –
तुम्हारे शिशु हाथों में पहुँच प्रजारूपा हो जाती हूँ ।
पर जब भी तुम
अपने पुरुषार्थ-पराजित स्वत्व से मुझे पुकारते हो
तब मैं –
अपने ग्राम्य देवत्व के साथ चिन्मयी शक्ति हो जाती हूँ
(प्रतिमा बन तुम्हारी आराध्या हो जाती हूँ)
विश्वास करो
यह सबसे बड़ा देवत्व है, कि –
तुम पुरुषार्थ करते मनुष्य हो
और मैं स्वरूप पाती मृत्तिका ।

(क) मिट्टी मातृरूपा बनने से पहले क्या-क्या कष्ट उठाती है ? *2*

(ख) मिट्टी के प्रिया रूप किन्हें माना है ? इसमें कौन माध्यम बनता है ? *2*

(ग) सबसे बड़ा देवत्व किसे माना गया है ? *1*

(घ) मिट्टी किन हाथों में पहुँच कर प्रजारूपा हो जाती है ? *1*

(ङ) उपर्युक्त काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

अथवा

ज्यों निकल कर बादलों की गोद से
थी अभी एक बूँद कुछ आगे बढ़ी ।
सोचने फिर-फिर यही जी में लगी
आह ! क्यों घर छोड़कर मैं यों बढ़ी ।
देव ! मेरे भाग्य में है क्या बदा
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में ।

या जलूँगी गिर अंगारे पर किसी
चू पड़ूँगी या कमल के फूल में ।
बह गयी उस काल एक ऐसी हवा
वह समंदर ओर आई अनमनी
एक सुन्दर सीप का मुँह था खुला
वह उसी में जा पड़ी, मोती बनी ।
लोग योंही हैं झिझकते सोचते
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर
किंतु घर का छोड़ना अक्सर उन्हें
बूँद सम कुछ और ही देता है कर ।

(क) बादलों से निकलते समय बूँद के मन में क्या-क्या विचार उठ रहे थे ? *2*

(ख) बूँद के माध्यम से कवि ने किन लोगों का वर्णन किया है ? *2*

(ग) काव्यांश में 'आह' शब्द किस भाव को प्रकट करता है ? *1*

(घ) बूँद समुद्र की ओर अनमने भाव से क्यों आई ? *1*

(ङ) कैसे कह सकते हैं कि घर छोड़ने का परिणाम बुरा नहीं होता ? *1*

खण्ड ख

3. निर्देशानुसार ***किन्हीं तीन*** के उत्तर लिखिए : *1×3=3*

(क) साँझ हुई और पक्षी नीड़ में आ गए । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) नवाब साहब कुछ देर गाड़ी की खिड़की के बाहर देखकर स्थिति पर गौर करते रहे ।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) अध्यापिका ने छात्रों से कहा कि <u>बिना पटाखों के दीपावली मनाएँ</u> ।
(रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(घ) वे छात्र, जो कल नहीं आए थे, खड़े हो जाएँ । (सरल वाक्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए : *1×4=4*

(क) छात्रों ने विद्यालय में पौधे लगाए । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) चलो, घूमने चलते हैं । (भाववाच्य में बदलिए)

(ग) शाहजहाँ द्वारा ताजमहल बनवाया गया । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) प्राचार्य ने छात्रों को पुरस्कार दिए । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) मैं इस धूप में चल नहीं सकता । (भाववाच्य में बदलिए)

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

(क) उस गमले में दो गुलाब खिले हैं ।

(ख) सौम्या बगीचे के सामने बैठी है ।

(ग) अविनाश दुकान से गर्म पूड़ियाँ लाया है ।

(घ) वर्षा के बाद धीरे-धीरे हरियाली बढ़ने लगी ।

(ङ) राम कहानी पढ़ता है ।

6. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) 'रौद्र रस' का एक उदाहरण लिखिए ।

(ख) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए :

राम को रूप निहारत जानकी कंगन के नग में परछाँही ।
याते सबै सुधि भूलि गई कर टेकि रही पल टारत नाँही ।।

(ग) 'शोक' किस रस का स्थायी भाव है ?

(घ) 'अद्‌भुत' रस का स्थायी भाव लिखिए ।

(ङ) रस के कितने अंग या अवयव होते हैं ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी । किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना । इधर पतोहू रो-रोकर कहती – मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए । लेकिन भगत का निर्णय अटल था ।

(क) गद्यांश के आधार पर बालगोबिन भगत की दो विशेषताएँ लिखिए । *2*

(ख) पतोहू का क्या आग्रह था ? क्यों ? *2*

(ग) भगत का निर्णय क्या था ? *1*

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : $2\times4=8$

(क) यह क्यों कहा गया है कि महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ख) कहानी की दृष्टि से 'लखनवी अंदाज' में आपको क्या विशेषता दिखाई देती है ?

(ग) मन्नू भंडारी के पिता उन्हें किससे दूर रखना चाहते थे और क्यों ?

(घ) बिस्मिल्ला खाँ जीवन भर ईश्वर से क्या माँगते रहे और क्यों ? इससे उनकी किस विशेषता का पता चलता है ?

(ङ) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ में लेखक ने लिखा है – "नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है ।" लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ?

9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है ।

(क) राख जैसा किसे कहा गया है और क्यों ? 2

(ख) संगतकार किसे कहा जाता है ? वह मुख्य गायक का साथ क्यों देता है ? 2

(ग) गायक की प्रेरणा किस कारण साथ छोड़ने लगती है ? 1

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : $2\times4=8$

(क) 'छाया' शब्द कविता में किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है ? कवि ने इसे छूने के लिए मना क्यों किया है ?

(ख) 'यह दंतुरित मुस्कान' के आधार पर मुस्कान की दो विशेषताएँ समझाइए ।

(ग) उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया ?

(घ) 'उत्साह' कविता में 'नवजीवन वाले' किसको कहा गया है और क्यों ?

(ङ) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं ?

11. आधुनिक जीवन शैली में हम भोलानाथ के समान प्रकृति का आनंद नहीं उठा पा रहे हैं । वर्तमान में आप किन उपायों द्वारा प्राकृतिक आनंद प्राप्त कर सकते हैं ? 4

अथवा

'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृत्तांत के आधार पर पुष्टि कीजिए कि आज प्राकृतिक संपदा को बचाने की बड़ी आवश्यकता है ।

खण्ड घ

12. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) सफलता की कुंजी : मन की एकाग्रता
- मन की एकाग्रता क्यों
- सतत अभ्यास
- सफलता की कुंजी

(ख) भ्रष्टाचार-मुक्त समाज
- भ्रष्टाचार क्या है ?
- कारण और निवारण
- भ्रष्टाचार-मुक्त देश की कल्पना

(ग) विज्ञापन और हमारा जीवन
- विज्ञापन के उद्देश्य
- विज्ञापन के विविध रूप
- विज्ञापन का जीवन पर प्रभाव

13. आप अपने विद्यालय से आर्थिक सहायता पाना चाहते हैं । अपनी आर्थिक स्थिति को स्पष्ट करते हुए अपने विद्यालय के प्राचार्य को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए । *5*

अथवा

अपने पिताजी को पत्र लिखकर बताइए कि आपके विद्यालय में वार्षिकोत्सव किस प्रकार मनाया गया ।

14. हिमाचल प्रदेश पर्यटन निगम पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है । इसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए । *5*

अथवा

किसी मोबाइल फ़ोन बनाने वाली कंपनी के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए ।

SET-1

Series JMS/4

कोड नं.
Code No. **3/4/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में* **चार** *खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 20 – 25 शब्दों में) लिखिए :

आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक उपलब्धियों के शोर में प्राचीन और पारंपरिक ज्ञान-पद्धतियों को लगभग भुला दिया गया है । उनमें से कुछेक की याद तब आती है, जब कोई बड़ा वैज्ञानिक तथ्य किसी लोक-परंपरा से जा जुड़ता है । हमारे देश में अब भी अनेक स्थानों पर प्राचीन ज्ञान-परंपराएँ विद्यमान हैं, जिन्हें लोक ने सहेज रखा है ।

भारत में कई ऐसे गाँव हैं, जहाँ हज़ारों वर्षों तक ज्ञान-परंपराएँ फलती-फूलती रही हैं । आज भी उन्हें ज्ञान-परंपरा होने की मान्यता तक प्राप्त नहीं है । लेकिन अगर आप उस समाज के अवचेतन में गहरे उतरने की क्षमता रखते हैं, तो यह समझने में देर नहीं लगेगी कि ज्ञान-परंपराएँ मरती नहीं हैं । कालक्रम में उन पर धूल की परतें ज़रूर जम जाती हैं और उनका स्थानांतरण चेतन से अवचेतन में हो जाता है । वहाँ के लोग उन ज्ञान-परंपराओं से जुड़े होते हैं । उनके दैनिक जीवन, पर्व-त्योहार और शादी-ब्याह के विधि-विधानों, रीति-रिवाजों में उन ज्ञान-परंपराओं की उपस्थिति मिल जाएगी ।

बिहार के मिथिला में ऐसे कई गाँव हैं, जहाँ न्याय और मीमांसा की परंपराएँ अब भी जीवित हैं । इनकी शास्त्रीय परंपराएँ तो फलती-फूलती रहीं, लेकिन लौकिक परंपराओं का कोई सटीक अध्ययन नहीं हुआ । फिर भी लौकिक परंपराओं के अध्ययन से लगता है कि यह पूरी जीवन प्रणाली थी । मिथिला क्षेत्र के कई गाँवों में न्याय और मीमांसा के बड़े विद्वान हुए हैं । शायद उनका होना ही इस बात का प्रमाण है कि इन गाँवों के अवचेतन में इन परंपराओं का वास होगा ।

ज्ञान-परंपरा से जुड़ी एक ऐसी ही जगह है पटना के पास खगौल शहर के निकट का एक गाँव तारेगना । पाँचवीं शताब्दी में इस जगह का नाम कुसुमपुर से खगौल उस समय हो गया जब आर्यभट्ट ने इसे अपना कार्यक्षेत्र बनाया । जिस गाँव में रहकर आर्यभट्ट ने आकाश में ग्रह-नक्षत्र और तारों की स्थिति का अध्ययन किया था, उसका नाम तारेगना पड़ गया । एकाएक जुलाई, 2009 में तारेगना के बारे में दुनिया को तब पता चला, जब नासा ने घोषणा की कि इस जगह से उस बार के पूर्ण सूर्यग्रहण को देखना संभव हो पाएगा । ख़ास बात है कि आज भी खगौल में आर्यभट्ट का जन्मदिन मनाने की परंपरा है और उनसे जुड़ी अनेक कहानियाँ हैं ।

(क) आप कैसे कह सकते हैं कि जनमानस आज भी ज्ञान-परंपराओं से जुड़ा है ? *2*

(ख) 'न्याय और मीमांसा की परंपराएँ अब भी जीवित हैं' – इस तथ्य की पुष्टि के लिए लेखक ने क्या तर्क दिए हैं ? *2*

(ग) पूरी दुनिया में 'तारेगना' की पहचान क्यों और कैसे बनी ? *2*

(घ) लोगों द्वारा सहेज कर रखी गई पारंपरिक ज्ञान-पद्धतियों की ओर ध्यान कब आकर्षित होता है ? *1*

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 20 – 25 शब्दों में) लिखिए :

दो घड़ी क़दम अपने रोको, बढ़ चले हो तुम अँधेरों को ।
न रुके अगर तो तरसोगे, नवजीवन के पग फेरों को ।
दुख के बिन सुख कैसा, सोचो बिन धूप कहाँ फिर छाँव, कहो ।
बिन मृत्यु भला कैसा, जीवन कैसा बिन मिट्टी गाँव कहो ।
गंगा को तुमने विष दे देकर मार दिया, कुछ और बढ़े ।
तुमने अपने बल से नदियों को बाँध दिया, कुछ और बढ़े ।
तुम और बढ़े, जब तुमने हिमखंडों को तक पिघला डाला ।
तुम और बढ़े, जब तुमने खेतों की मिट्टी को दूषित कर डाला ।
तुम बचा सके न नदियों को, जो कल तक कल-कल बहती थीं ।
तुम बचा सके न चिड़ियों को, जो आँगन रोज चहकती थीं ।
तुम हो विज्ञान के प्रतिनिधि, तुम अपने यश का गान करो ।
मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ तुम यह एक काम महान करो ।
रच लो अपनी ही धरा एक, अपने विज्ञानी हाथों से ।
प्रकृति नहीं जीती जाती, ऐसी अभिमानी बातों से ।

(क) कवि का संकेत किन अँधेरों की तरफ है और वह मनुष्य को अँधेरों की तरफ बढ़ने से क्यों रोक रहा है ? *2*

(ख) प्रगति के नाम पर मानव ने प्रकृति से क्या छेड़छाड़ की है ? *2*

(ग) कवि क्या चेतावनी दे रहा है ? *1*

(घ) ‘विज्ञान के प्रतिनिधि’ कहकर कवि ने क्या व्यंग्य किया है ? *1*

(ङ) घमंडी मानव सोचता है कि मैंने प्रकृति को मुट्ठी में कर लिया है लेकिन यह उसकी भूल है – यह भाव कविता की किन पंक्तियों में आया है ? *1*

अथवा

लहरों में हलचल होती है....

कहीं न ऐसी आँधी आए
जिससे दिवस रात हो जाए
यही सोचकर चकवी बैठी तट पर निज धीरज खोती है ।
लहरों में हलचल होती है....

लो, वह आई आँधी काली
तम-पथ पर भटकाने वाली
अभी गा रही थी जो कलिका पड़ी भूमि पर वो सोती है ।
लहरों में हलचल होती है....

चक्र-सदृश भीषण भँवरों में
औ' पर्वताकार लहरों में
एकाकी नाविक की नौका अब अंतिम चक्कर लेती है ।
लहरों में हलचल होती है....

(क) चकवी तट पर बैठकर अपना धैर्य क्यों खो रही है ? *2*

(ख) लहरों में हलचल होने का क्या तात्पर्य है ? *2*

(ग) कोमल कली बेसुध होकर धरती पर क्यों पड़ी है ? *1*

(घ) भीषण भँवरों और पर्वताकार लहरों से क्या अभिप्राय है ? *1*

(ङ) ऐसा क्या हो कि एकाकी नाविक की नौका का यह अंतिम चक्कर न हो ? *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×3=3*

(क) एक चशमेवाला है जिसका नाम कैप्टन है । (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) कहा जा चुका है कि मूर्ति संगमरमर की थी ।
(आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

(ग) मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था ।
(मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों ही आँखों में हँसा ।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य बदलिए : *1×4=4*

(क) गाँव की स्त्रियाँ बहू को चुप कराने की कोशिश कर रही हैं । (कर्मवाच्य में)

(ख) भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष देखा गया । (कर्तृवाच्य में)

(ग) नवाब साहब ने खीरे को धोकर पोंछ लिया । (कर्मवाच्य में)

(घ) हम लोग क्लास छोड़कर बाहर नहीं आ सके । (भाववाच्य में)

(ङ) भारत रत्न हमको शहनाई पर दिया गया है, लुंगी पर नहीं । (कर्तृवाच्य में)

5. रेखांकित पदों में से ***किन्हीं चार*** पदों का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

<u>नेताजी की</u> <u>उस</u> <u>मूर्ति पर</u> टूटा <u>चश्मा</u> <u>लगा था</u> ।

6. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) स्थायी भाव से आप क्या समझते हैं ?

(ख) हास्य रस का एक उदाहरण लिखिए ।

(ग) वत्सल रस का स्थायी भाव क्या है ?

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों में से रस पहचान कर लिखिए :

जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में ।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में ।
उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की ।

(ङ) क्रोध किस रस का स्थायी भाव है ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

यह क्या है – यह कौन है ! यह पूछना न पड़ेगा । बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं । उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है । उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर ! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाते लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं ! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू !

(क) बालगोबिन अपने खेत में किसकी रोपनी कर रहे हैं ? *1*

(ख) "उनका कंठ एक-एक शब्द .... कानों की ओर !"– पूरे वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए । *2*

(ग) बालगोबिन भगत के संगीत को जादू क्यों कहा गया है ? *2*

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : $2\times4=8$

(क) आप अभी फौजी नहीं, विद्यार्थी हैं । आपका देश-प्रेम किन रूपों में प्रकट होता है ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ख) नवाब साहब ने खीरों को सूँघा और खिड़की से बाहर फेंक दिया । नवाब साहब के इस व्यवहार को उचित या अनुचित कैसे ठहराएँगे ?

(ग) 'परिमल' के बारे में आप क्या जानते हैं ? इस संदर्भ में लेखक को फादर कामिल बुल्के क्यों याद आते हैं ?

(घ) मन्नू भंडारी याद करती हैं कि उनके बचपन में पूरा मोहल्ला उनका घर होता था । लेखिका ने वर्तमान स्थिति के बारे में क्या कहा है ?

(ङ) बिस्मिल्ला खाँ को काशी में कौन-सी कमियाँ खलती थीं ?

9. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

कौसिक सुनहु मंद येहु बालक । कुटिलु काल बस निज कुल घालकु ।।
भानुबंस राकेस कलंकू । निपट निरंकुसु अबुधु असंकू ।।
कालकवलु होइहि छन माहीं । कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं ।।
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा । कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ।।
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा । तुम्हहि अछत को बरनै पारा ।।
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी । बार अनेक भाँति बहु बरनी ।।
नहिं संतोषु त पुनि कछु कहहू । जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू ।।
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा । गारी देत न पावहु सोभा ।।

(क) 'मंद येहु बालक' किसे कहा गया है और क्यों ? *2*

(ख) लक्ष्मण ने परशुराम को क्या कहकर उकसा दिया था ? *2*

(ग) परशुराम ने विश्वामित्र से क्या आग्रह किया ? *1*

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : $2\times4=8$

(क) 'उत्साह' कविता में सुंदर कल्पना और क्रांति-चेतना दोनों हैं, कैसे ?

(ख) कवि नागार्जुन ने छोटे बच्चे की मुस्कान देखकर क्या कल्पना की है ?

(ग) 'छाया मत छूना' कविता में कवि क्या कहना चाहता है ?

(घ) विवाह के समय माँ ने अपनी बेटी को क्या शिक्षा दी ? 'कन्यादान' कविता के आधार पर लिखिए ।

(ङ) गोपियाँ कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम रखती हैं । इस बात को उन्होंने उद्धव के सामने कैसे रखा ?

11. 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर मीडिया की भूमिका पर अपने विचार प्रकट कीजिए । *4*

अथवा

प्रकृति को संरक्षित रखने में आम नागरिक की भूमिका को 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड घ

12. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) धरती कहे पुकार के....

- सहनशील धरती
- सांप्रदायिकता से मुक्ति
- खुशहाल वातावरण-पर्यावरण

(ख) त्योहार बनाम बाज़ारवाद

- तात्पर्य
- त्योहारों का वास्तविक स्वरूप
- बाज़ार का प्रभाव

(ग) क्रिकेट मैच का आँखों देखा वर्णन

- कहाँ, कैसे, कब
- आनंददायक
- परिणाम

13. हाल ही में आपने पढ़ाई में किसी बच्ची की मदद की थी । वह बच्ची परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो गई । अपने इस सुखद अहसास को पत्र लिखकर अपने मित्र को बताइए । *5*

अथवा

आजकल खाद्य पदार्थों में रासायनिक रंग, दवाइयाँ, मिलावट आदि का भरपूर प्रयोग किया जा रहा है । इन हानिकारक पदार्थों से मुक्त खाद्यों की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य आपूर्ति मंत्री को पत्र लिखिए ।

14. डेंगू से बचने के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 20-25 शब्दों में तैयार कीजिए । *5*

अथवा

जैविक पदार्थों के कूड़े से आपने ऐसा रसायन तैयार किया है जिसका उपयोग घरेलू साफ़-सफ़ाई में काम आने वाले जहरीले रसायनों के स्थान पर हो सकता है । इसके प्रचार और बिक्री के लिए लगभग 20-25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

SET-1

Series JMS/5

कोड नं.
Code No. **3/5/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम अ)
(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में* ***चार*** *खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 20-25 शब्दों में) लिखिए :

लोग अमृतलाल वेगड़ को पर्यावरण प्रेमी, नर्मदा भक्त, शिक्षक, चित्रकार और अथक मुसाफ़िर मानते हैं । मेरी नज़र में वे यात्रा संस्मरण और पर्यावरण पर लिखने वाले भारत के पहले पत्रकार हैं । जिन लोगों ने उनकी पुस्तकें पढ़ी हैं, वे उन्हें अनमोल धरोहर मानते हैं । वे कहते थे, 'नर्मदा मेरे लिए एक ऐसी किताब है, जिसे बार-बार पढ़ने को मन करता है ।' जब वेगड़ जी ने नर्मदा यात्राएँ शुरू कीं, तो बाँध नहीं बने थे । यानी वह हर गाँव उन्होंने देखा, जो अब अस्तित्व में नहीं है और डूब चुका है । ग्यारह साल में दस यात्राएँ, चार हजार किलोमीटर की पदयात्रा । उनकी यही इच्छा कि माँ नर्मदे ! जब हमेशा के लिए मीठी नींद में सो जाऊँ तब थपकी देकर सुला देना ।

पुस्तकों के अलावा उन्होंने नर्मदा पर अनेक चित्र बनाए । उनकी अपनी एक चित्र-शैली थी । जितने पके हुए वे चित्रकार और रचनाकार थे, उतना ही स्नेहिल उनका व्यक्तित्व था । उन्होंने न जाने कितने रचनाकारों के किताबों के आवरण बनाए होंगे । नर्मदा को लेकर कोई किताब लिख रहा हो, तो वे उसे भरपूर प्रोत्साहन देते थे । उसकी किताब का आवरण बनाते थे, भूमिकाएँ लिखते थे ।

अमृतलाल वेगड़ की पत्नी कांताजी बताती हैं – 'राइट टाउन के इस घर में वेगड़ जी की तीन पीढ़ियाँ एक साथ निवास करती हैं । तीन भाई, उनका परिवार, उनके बच्चे और उन सबके बच्चों के बच्चे । एक छत के नीचे, एक चूल्हे पर आज भी खाना । आपस में भरपूर प्यार, स्नेह और एक-दूसरे पर जान छिड़कते हैं सब ।'

टीस उठती है । देश से अपने साथ बेजोड़ अनुभव संपत्ति का खजाना लेकर सदी के ये दस्तावेज़ जा रहे हैं । हम इनको नई नस्लों तक सुरक्षित पहुँचाने का कोई प्रयास नहीं करते । कहावत है – एक बुजुर्ग आदमी जब जाता है तो अपने साथ एक विशाल लाइब्रेरी भी ले जाता है । क्या कभी हम इसे समझ पाएँगे ?

(क) वेगड़ जी की पहचान के लिए किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है और क्यों ? *2*

(ख) वेगड़ जी ने नर्मदा के महत्त्व को किस प्रकार दर्शाया है ? *2*

(ग) उनके संयुक्त परिवार के बारे में टिप्पणी कीजिए । *2*

(घ) लेखक के मन में टीस क्यों उठती है ? *1*

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 20-25 शब्दों में) लिखिए :

आभारी हूँ बहुत दोस्तो, मुझे तुम्हारा प्यार मिला
सुख में, दुख में, हार-जीत में
एक नहीं सौ बार मिला ।

सावन गरजा, भादों बरसा, घिर-घिर आई अँधियारी
कीचड़-कादों से लथपथ हो, बोझ हुई घड़ियाँ सारी
तुम आए तो लगा कि कोई कातिक का त्योहार मिला !

इतना लंबा सफ़र रहा, थे मोड़ भयानक राहों में
ठोकर लगी, डगमग डोला, गिरा तुम्हारी बाँहों में
तुम थे तो मेरे पाँवों को हर फिसलन पर आधार मिला !

आया नहीं फ़रिश्ता कोई, मुझको कभी दुआ देने
मैंने भी कब चाहा, दूँ इनको अपनी नौका खेने
बहे हवा-से तुम, साँसों को सुंदर बंदनवार मिला !

हर पल लगता रहा कि तुम हो पास कहीं दाएँ-बाएँ
तुम हो साथ सदा तो आवारा सुख-दुख आए-जाए
मृत्यु गंध से भरे समय में जीवन का स्वीकार मिला !

(क) कवि अपने मित्रों के प्रति आभार क्यों व्यक्त कर रहा है ? दो कारण लिखिए । *2*

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए : *2*
"ठोकर लगी, डगमग डोला, गिरा तुम्हारी बाँहों में
तुम थे तो मेरे पाँवों को हर फिसलन पर आधार मिला !"

(ग) सुख-दुख को 'आवारा' क्यों कहा गया है ? *1*

(घ) किस पंक्ति का आशय है कि कवि को कोई दैवी सहायता नहीं मिली ? *1*

(ङ) सावन-भादों भी कवि के लिए त्योहार कैसे हो जाते थे ? *1*

अथवा

अपना सब कुछ देते हुए
पूरी सदाशयता के साथ
शताब्दियों के उच्छेदन के बाद भी
बचे हैं कुछ छायादार और फलदार वृक्ष
छोटे कहे जाने वाले परिश्रमी लोगों की तरह ।

जिन लोगों ने झूले डाले इनकी शाखों पर
इनके टिकोरों से लेकर बौर तक का
इस्तेमाल करते रहे रूप-रस-गंध के लिए
जिनके साथ ये गरमी-जाड़ा-बरसात खपे
यहाँ तक कि चिताओं पर
जिनके लिए जलते रहे ये
उन लोगों ने इन पर
कुल्हाड़ी चलाने में कभी कोताही नहीं की ।

देश भर में फैले पहाड़
ये ही लोग हैं
जिन्हें हर तरह से
नोंच कर नंगा कर दिया गया है ।

(क) भाव स्पष्ट कीजिए : *2*

शताब्दियों के उच्छेदन के बाद भी
बचे हैं कुछ छायादार और फलदार वृक्ष
छोटे कहे जाने वाले परिश्रमी लोगों की तरह ।

(ख) वृक्षों ने मनुष्य को अपना सहयोग किस प्रकार दिया ? *2*

(ग) मनुष्य ने वृक्षों से सब कुछ पाकर उनके साथ कैसा व्यवहार किया ? *1*

(घ) कौन अपना सब कुछ दे देते हैं ? *1*

(ङ) अंतिम चार पंक्तियों में कवि की पीड़ा क्या है ? *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×3=3*

(क) नवाब साहब ने अपना तौलिया झाड़ा और सामने बिछा लिया ।
(सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) उन्होंने बाहें खोलकर गले लगा लिया । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) उनकी शर्त मान ली गई और वे भारत आ गए । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है ।
(आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य बदलिए : *1×4=4*

(क) रीड नरकट से बनती है । (कर्मवाच्य में)

(ख) सीट के नीचे से लोटा उठाया गया । (कर्तृवाच्य में)

(ग) वह चल नहीं पा रही थी । (भाववाच्य में)

(घ) आओ, बैठते हैं । (भाववाच्य में)

(ङ) मुँह में भर आए पानी का घूँट गले में उतार लिया । (कर्मवाच्य में)

5. निम्नलिखित रेखांकित पदों में से किन्हीं ***चार*** का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

उन्होंने दृढ़ निश्चय से खीरों के नीचे रखा तौलिया सामने बिछा लिया ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) संचारी भाव से आप क्या समझते हैं ?

(ख) वात्सल्य रस का एक उदाहरण लिखिए ।

(ग) वीर रस का स्थायी भाव कौन-सा है ?

(घ) उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की ।
अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की ।
उपर्युक्त पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए ।

(ङ) शोक किस रस का स्थायी भाव है ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी । किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना । इधर पतोहू रो-रोकर कहती – मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए । लेकिन भगत का निर्णय अटल था । तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा – यह थी उनकी आखिरी दलील । इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

(क) भगत द्वारा किए गए ऐसे कौन-से कार्य हैं जिनसे पता चलता है कि वे सामाजिक परंपरा से हटकर कार्य करते थे । *2*

(ख) बालगोबिन भगत और उनकी पुत्रवधू दोनों दूरदर्शी हैं – स्पष्ट कीजिए । *2*

(ग) उनकी आखिरी दलील क्या थी ? *1*

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : $2 \times 4 = 8$

(क) हालदार साहब ने जब मूर्ति के नीचे मूर्तिकार 'मास्टर मोतीलाल' पढ़ा तब उन्होंने क्या-क्या सोचा ?

(ख) 'फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है' – आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मन्नू भंडारी की माँ का त्याग उनका आदर्श नहीं बन सका, क्यों ?

(घ) भारतरत्न बिस्मिल्ला खाँ सरल-सहज व्यक्ति थे, दो उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) आप कैसे कह सकते हैं कि नवाब साहब को लेखक यशपाल का डिब्बे में आना पसंद नहीं आया ?

9. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा । बार बार मोहि लागि बोलावा ।।
सुनत लखन के बचन कठोरा । परसु सुधारि धरेउ कर घोरा ।।
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू । कटुबादी बालकु बधजोगू ।।
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा । अब येहु मरनिहार भा साँचा ।।
कौसिक कहा छमिअ अपराधू । बाल दोष गुन गनहिं न साधू ।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम को क्या कहा ? पंक्ति का आशय अपने शब्दों में लिखिए । 2

(ख) परशुराम जी ने लोगों को संबोधित करते हुए क्या कहा ? 2

(ग) विश्वामित्र ने क्या तर्क देकर परशुराम जी से क्षमा करने का निवेदन किया ? 1

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : $2 \times 4 = 8$

(क) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फागुन मास के सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

(ख) "राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए ।" – भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मिट्टी के गुण धर्म को बचाने में हमारी क्या भूमिका होनी चाहिए ?

(घ) "वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के" — भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) मुख्य गायक को सफलता के शिखरों पर पहुँचाने में संगतकार की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, कैसे ?

11. जॉर्ज पंचम की नाक को लेकर मीडिया के द्वारा जो चिंता या बदहवासी दिखाई गई है वह किस मानसिकता को दर्शाती है ? इस प्रकार की पत्रकारिता के बारे में आपकी क्या राय है ? 4

अथवा

प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है और मानव को जल संचय के लिए कौन-कौन से कदम उठाने चाहिए ?

खण्ड घ

12. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए : *10*

(क) पेट्रोल का बढ़ता मूल्य
- पेट्रोल की कमी
- समस्या का विकराल रूप
- परिणाम और समाधान

(ख) सफलता की कुंजी : मन की एकाग्रता
- सफलता और मन की एकाग्रता
- एकाग्रता के लाभ और उदाहरण
- कैसे हो एकाग्रता

(ग) इंटरनेट का प्रभाव
- इंटरनेट का तात्पर्य
- लाभ और हानि
- मानव मन पर प्रभाव

13. आपकी अपने प्रिय मित्र से किसी बात पर अनबन हो गई है और आपको अब अपनी ग़लती का अहसास हो गया है । अत: उसे मनाने के लिए पत्र लिखिए । *5*

अथवा

आपके मोहल्ले में मच्छरों का गढ़ बन गया है । डेंगू, मलेरिया आदि रोग फैल रहे हैं । नगर निगम आयुक्त को शिकायती पत्र लिखिए ।

14. आपके शहर में कुश्ती दंगल का आयोजन किया जा रहा है, उसके लिए लगभग 20-25 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए । *5*

अथवा

प्लास्टिक के विरुद्ध लोगों में जागरूकता लाने के लिए कपड़े के थैले बनाने की एक तीन दिन की कार्यशाला के बारे में लगभग 20-25 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ।